बुधवार
20 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4
अपने हेयर केयर रुटीन में शामिल करें केला!

पृष्ठ 5
जूनियर एनटीआर ने तेलुगू फिल्म उद्योग में पूरे किए 25 साल

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 81
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कलाकार प्रकृति का प्रेमी है अतः वह उसका दास भी है और स्वामी भी।
– रवींद्रनाथ ठाकुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीएम धामी चंपावत से लड़ेंगे चुनाव

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चंपावत से ही उप चुनाव लड़ेंगे। शीर्ष नेतृत्व द्वारा मिली हरी झंडी के बाद अब चंपावत से भाजपा विधायक कैलाश गहतोड़ी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह कल अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंपने जा रहे हैं। कल ही वह अपने इस्तीफे के बाद 11.30 बजे विधानसभा भवन में पत्रकारों से वार्ता भी करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए अपनी सीट छोड़ने की पेशकश सबसे पहले कैलाश गहतोड़ी ने की थी। उनका कहना है कि अगर सीएम के लिए सीट छोड़ने से उनकी चंपावत विधानसभा का विकास हो सकता है तो वह सहर्ष अपनी सीट छोड़ने को तैयार हैं। इसके बाद हालांकि सीएम के लिए सीट छोड़ने वालों की लंबी लाइन लग गई थी जिसमें कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया, भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा व रुद्रपुर विधायक भरत चौधरी से लेकर

❑विधायक गहतोड़ी कल देंगे इस्तीफा
❑विधान सभा भवन में प्रेस वार्ता 11.30 बजे

कांग्रेस के धारचूला विधायक हरीश धामी तक के नाम शामिल थे। लेकिन भाजपा हाईकमान द्वारा चिंतन-मंथन के बाद धामी के लिए चंपावत सीट को ही सबसे सुरक्षित माना गया है।

बीते कल कैलाश गहतोड़ी दून आए थे तथा वह सीएम धामी व संगठन मंत्री अजय कुमार से मिले थे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष भी 23 अप्रैल को दून आ रहे हैं। मार्च में मुख्यमंत्री का पदभार दोबारा संभालने वाले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 6 महीने के अंदर उप चुनाव लड़कर व जीतकर विधानसभा की सदस्यता ग्रहण करना एक संवैधानिक बाध्यता है उन्हें सीएम बने दो महीने गुजर चुके हैं। अब उनके पास सिर्फ 4 माह का ही समय बचा है। चुनावी प्रक्रिया में भी महीने से अधिक का समय लग जाता है ऐसी स्थिति में वह जल्द से जल्द चुनाव लड़ कर इस प्रक्रिया को पूरा कर लेना चाहते हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कल कैलाश गहतोड़ी के इस्तीफे और पत्रकार वार्ता के बाद मुख्यमंत्री धामी उनके साथ चंपावत भी जा सकते हैं जहां वह पूजा अर्चना करने के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं से भी मिल सकते हैं। सीएम धामी के चंपावत से चुनाव लड़ने की पुष्टि होते ही अब इन कयासों पर भी विराम लग गया है कि वह कहां से चुनाव लड़ेंगे।

फरार डकैत को दिल्ली से किया गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। डकैती मामले में फरार चल रहे एक बदमाश को पुलिस ने कल देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में तीन आरोपी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके है। जबकि इनका एक अन्य साथी अब भी फरार है जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 फरवरी को पूजा कश्यप पुत्री रमेश कश्यप निवासी हरिपुर कला द्वारा थाना रायवाला में तहरीर देकर बताया गया था कि वह अपने परिवार के साथ अपने घर गंगा कालोनी हरिपुरकलां पर मौजूद थी। देर रात्रि के आसपास 4-5 अज्ञात लोगों द्वारा उनके घर में गेट तोडकर अंदर घुस गये और मम्मी रामरती के साथ मारपीट करके कान के सोने के कुंडल कान फाडकर छीन लिये तथा आलमारी मे रखी पायल ,नाक की पिन और घर का कुछ सामान व 10 हजार रूपये लूट कर फरार हो गये। मामले में पुलिस ने तत्काल डकैती की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 8 मार्च को उक्त डकैती प्रकरण में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले में दो आरोपी फरार थे जिनकी तलाश की जा रही थी। फरार डकैतों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीते रोज सूचना मिली कि उक्त डकैती में शामिल एक बदमाश कोहिनूर उर्फ मोटा निवासी भरत विहार बेगमपुर रोहिणी दिल्ली अपने घर में मौजूद है। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने उसे उसके घर से देर रात गिरफ्तार कर लिया गया हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में एक बदमाश झाबर पुत्र जमीनाथ निवासी सपेरा बस्ती घोसीपुरा पथरी हरिद्वार फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने जहांगीरपुरी में बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने जहांगीरपुरी में उत्तरी दिल्ली नगर निगम की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने निगम द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश पर नॉर्थ एमसीडी के मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर को माना जाएगा, अगर बुलडोज़र हटाने का आदेश होगा तो उसे तुरंत हटाया जाएगा।

●यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की गई हैं। पहली याचिका यूपी, एमपी समेत देश के अन्य हिस्सों में बुलडोजर की कार्रवाई के खिलाफ दायर की गई है। वहीं, दूसरी याचिका दिल्ली के जहांगीरपुरी में एमसीडी की कार्रवाई के खिलाफ दायर की गई है। इस मामले में अब गुरुवार यानी कल सुनवाई की जाएगी।

जहांगीरपुरी इलाके में हिंसा फैलाने वाले उपद्रवियों की अवैध संपत्तियों पर उत्तरी दिल्ली नगर निगम आज बुलडोजर चलाने की तैयारी की थी। कार्रवाई के तहत सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने से पहले कई अवैध संपत्तियों को क्षतिग्रस्त किया जा चुका है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम की यह कार्रवाई दो दिन तक चलने वाली थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते इसे पहले दिन ही रोक दिया गया।

भारत में फिर बढ़ रहे हैं कोरोना संक्रमण के केस, पिछले 24 घंटे में 2,067 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली । देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। दिल्ली समेत कई राज्यों में कोरोना वायरस के नए मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी देखी जा रही है। एहतियात के तौर पर राज्य सरकारों ने एक बार फिर प्रतिबंधों पर विचार करना शुरू कर दिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के २,०६७ नए मामले सामने आए। वहीं इस दौरान ४० अन्य मरीजों की मौत हुई है। इसके साथ ही एक दिन में कोरोना से ठीक होने लोगों की संख्या १,५४७ रही।

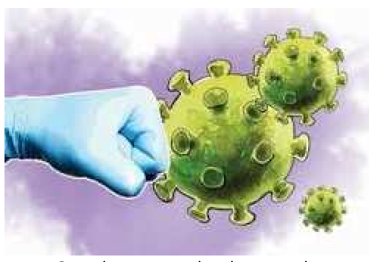

पिछले २४ घंटे में सामने आए २,०६७ नए केस के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर ४,३०,४७,५६४ हो गई। वहीं अब तक कोरोना महामारी के कारण जान गवा चुके लोगों का आंकड़ा भी ५,२२,००६ हो गया। इसके साथ ही कोरोना को मात देने वाले लोगों की संख्या ४,२५,१३,२४८ पहुंच गई है।

मंत्रालय के अनुसार, देश में मौजूदा एक्टिव केस की संख्या १२,३४० है। वैश्विक महामारी के खिलाफ जारी टीकाकरण के तहत देश में अब तक १,८६,६०,५६,६०७ एंटी कोविड वैक्सीन दी जा चुकी हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्यों के साथ–साथ केंद्र सरकार भी सतर्क हो गई है। कोरोना मामलों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और मिजोरम को एडवाइजरी जारी की है। केंद्र ने इन राज्यों से कोरोना पर कड़ी निगरानी रखने और जरूरत पड़ने पर संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने की सलाह दी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

टकराव चिंताजनक

देश के तमाम राज्यों से आने वाली सांप्रदायिक टकराव की खबरों को लेकर चिंतित होना इसलिए स्वाभाविक हो गया है क्योंकि भविष्य में यह देश की एकता और अखंडता के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। बीते कुछ सालों में देश में जिस तरह का वातावरण तैयार हुआ है वह अब एक अघोषित गृह युद्ध का रूप लेता जा रहा है। इसलिए भी यह चिंतनीय है कि इससे देश की सर्व धर्म समभाव की संस्कृति समाप्त होती जा रही है। इन हालातों को किन लोगों ने पैदा किया है? इसे लेकर भले ही राजनीतिक दल एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराते रहे लेकिन वह सभी बराबर के जिम्मेदार हैं। हमारे नेताओं ने ही वोट की राजनीति के लिए हिंदुस्तान में सैकड़ों पाकिस्तान बनाने का काम किया है। भले ही हम देश को दो हिस्सों में बांटने के लिए नेहरू और जिन्ना को जिम्मेवार ठहराते रहे लेकिन जिस पाकिस्तान को हम आज आतंकिस्थान कहते हैं वैसे ही अनेक आतंकिस्थान हमारे वर्तमान नेताओं ने तैयार कर दिए हैं जो अब हिंदुस्तान में रहकर और हिंदुस्तान का खाकर देश में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं। खास बात यह है कि देश के शिक्षण संस्थान इस सांप्रदायिकता के अड्डे बन चुके हैं। बात चाहे दिल्ली के जेएनयू की हो या फिर कर्नाटक के उच्च शिक्षण संस्थान की जहां से अभी हिजॉब को लेकर विवाद शुरू हुआ था या फिर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की जहां हिंदू देवी देवताओं पर आपत्तिजनक बातें छात्रों को पढ़ाई जा रही थी। आखिर कौन हैं वह लोग जो ऐसी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं? उनकी मंशा क्या है? अभी हिजाब पर उठे विवाद पर एक मुस्लिम नेता ओवैसी ने कहा था कि एक दिन एक हिजाब वाली महिला पीएम की कुर्सी पर बैठी होगी? इसके पीछे की उनकी मंशा क्या थी? संविधान तो किसी हिजाब वाली महिला को पीएम की कुर्सी पर बैठने से रोक नहीं सकता है जब हिजाब वाली मुफ्ती जम्मू कश्मीर के सीएम की कुर्सी पर बैठ सकती है तो फिर पीएम की कुर्सी पर भी हिजाब वाली महिला बैठ सकती है। लेकिन वह संविधान के जरिए ही बैठ सकती है आतंकिस्थान के जरिए नहीं। यह बात ओवैसी जैसे नेताओं को समझने की जरूरत है। ऐसे लोगों को यह भी समझ लेना जरूरी है कि जब पाकिस्तान, इराक, ईरान और अफगानिस्तान जैसे मुल्क मुस्लिम राष्ट्र कहे जा सकते हैं तो फिर हिंदुस्तान जैसे राष्ट्र को हिंदू राष्ट्र क्यों नहीं कहा जा सकता है? हिंदू , हिंदी और हिंदू राष्ट्र से ही तो हिंदुस्तान बना है। इसकी मुखाफलत करने वालों का हिंदुस्तान में रहने का कोई हक भी नहीं है। ठीक है कि संविधान सभी जाति, धर्म और संप्रदाय के लोगों को देश में रहने और अपनी बात कहने का हक देता है लेकिन राष्ट्रद्रोह का अधिकार संविधान किसी को भी नहीं देता है। देश में रहने वाले हर संप्रदाय, धर्म और जाति के लोगों को चाहिए कि वह जो करें या कहें संविधान के दायरे में रहकर ही करें क्योंकि बाकी कोई भी जरिया इस देश के लोकतंत्र को स्वीकार्य नहीं हो सकता। बेहतर यही है कि नेता सांप्रदायिकता को अपनी राजनीति का जरिया न बनाएं और देश के सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखें।

शहीद त्रिलोक सिंह पांगती रा.इ.का. में 'प्रवेशोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन

विशेष संवाददाता

मुनस्यारी। शहीद त्रिलोक सिंह पांगती रा.इ.का. मुनस्यारी में 'प्रवेशोत्सव' कार्यकम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया ने नये प्रवेश लेने वाले छात्र छात्रों के साथ उनके अभिभावकों का स्वागत किया। साथ ही शिक्षकों को भी अभिभावकों के भरोसे को बनाये रखने की अपील की।

इस अवसर पर उन्होने कहा कि विद्यालय अब 'अटल उत्कृष्ट' बन जाने से सी. बी.एस. सी. मान्यता प्राप्त विद्यालय हो चुका है। कक्षा 6, 9 व 11 में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण कार्य प्रारंभ हो गया है।

मर्तोलिया ने कहा कि पहले अभिभावकों को जिम्मेदार होना होगा, तभी हम बच्चों से किसी भी प्रकार की उम्मीद कर सकते है। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी हेम चन्द्र कश्यप, प्रधानाचार्य अनिल कुमार ,प्रधान मल्ला घोरपट्टा मनोज सिंह मर्तोलिया, प्रधान बर्निया गांव हरेंद्र सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक हरीश नाथ,गजराज सिंह पांगती,खीम सिंह,शिब्बू कुमार,हेम चंद्र लोहनी आदि मौजूद रहें। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा नए प्रवेशार्थियों को सम्मानित किया गया।

आग बुझाने में छूटे वन विभाग के पसीने

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। श्रीनगर के आस–पास के वनों में लगी आग को बुझाने में वन विभाग के पसीने छूट गए हैं।

गत दो दिनों में श्रीनगर के निकट खोला, श्रीकोट, ऐठाणा में चार हेक्टेयर जंगल आग की भेंट चढ़ गया। जंगल की आग को बुझाने के लिए वन विभाग की टीम जुटी रही लेकिन संसाधनों के अभाव में टीम को सफलता हासिल नहीं हो पाई।

वन क्षेत्राधिकारी सीविल सोयम प्रमोद कुमार ने बताया कि क्रू स्टेशन श्रीगनर की टीम फायर वाचरों सहित मौके पर जाकर आग पर काबू पाने की कोशिशों में लगी हुई है। जिस पर रात्रि १२ बजे के करीब नियंत्रण पा लिया गया था। आवासीय क्षेत्र के निकट आग आने पर उप वन क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार रावत व ६ फायर वाचरों व ग्रामीणों के सहयोग से नवाग्नि पर नियंत्रण किया गया।

ता नो वाजवतीरिष आशून्पिपृतमर्वतः।
एन्द्रमग्निं च वोढवे।।

(ऋग्वेद ६–६०–१२)

हे मनुष्य ! तुम शीघ्रगामी परिवहन और संचार के लिए दृश्यमय अग्नि और अदृश्य उर्जा का प्रयोग करो। विमान आदि के लिए अग्नि और उर्जा का संचय करो।

O man ! You should utilise visible Agni and invisible energy for the fastest mode of transport and communication. You store the heat and energy to run aircraft, etc.
(Rig Veda 6-60-12)

अपना परिवार सामाजिक संगठन ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

देहरादून (विसं)। राजधानी दून में आज अपना परिवार सामाजिक संगठन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शिव सेना अध्यक्ष गौरव कुमार, डीएसपी स्वप्निल मुयाल, पार्षद डा विजेंद्र पाल, कांग्रेस महानगर कमेटी अध्यक्ष लाल चंद शर्मा, नगर कोतवाल विद्या भूषण नेगी, मेंबर ऑफ कांग्रेस, प्रभु लाल बहुगुणा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

दुनियाभर में महामारी की चपेट में आए 62 लाख से ज्यादा लोगों ने गंवाई जान!

जेनेवा। दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर ५०.५८ करोड़ हो गए हैं। इस महामारी से अबतक कुल ६२ लाख से ज्यााद लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ११.१६ अरब से ज्यादा का वैक्सीनेशन हुआ है। ये जानकारी जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा की।

यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने बुधवार सुबह नए अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामले ५०५,८६३,८४७, मरने वालों की संख्या ६,२०२,६२० और टीकाकरण की कुल संख्या बढ़कर ११,१६१,७८६,३६१ हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, दुनिया के सबसे ज्यादा मामलों और मौतों की संख्या क्रमशरू ८०,७३२,६१६ और ९८६,३२८ के साथ अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित देश बना हुआ है। भारत कोरोना के ४३,०४५,५२७ मामलों के साथ दूसरा सबसे ज्यादा प्रभावित देश है।

सीएसएसई के अनुसार, १ करोड़ से ज्यादा मामलों वाले अन्य सबसे प्रभावित देश ब्राजील (३०,२७५,२७२) फ्रांस (२८,०१०,३८७), जर्मनी (२३,६५८,२११), यूके (२२,०३३,३८३), रूस (१७,८२६,००६), दक्षिण कोरिया (१६,५८३,२२०), इटली (१५,७५८,००२), तुर्की (१५,००३,६६६), स्पेन (११,६२७,४८७) और वियतनाम (१०,४८६,३१६) है। जिन देशों ने १००,००० से ज्यादा मौतों का आंकड़ा पार किया है, उनमें ब्राजील (६६२,३६६), भारत (५२१,६६६), रूस (३६६,४३६), मैक्सिको (३२३,६४६), पेरू (२१२,६५४), यूके (१७२,४६८), इटली (१६१,८६३), इंडोनेशिया (१५५,६३७), फ्रांस (१४५,४२५), ईरान (१४०,८७७), कोलंबिया (१३६,७५४), जर्मनी (१३३,३०८), अर्जेटीना (१२८,३४४), पोलैंड (११५,८३८), स्पेन (१०३,१०४) और दक्षिण अफ्रीका (१००,१६५) शामिल हैं।

चार शूटर गिरफ्तार, पिस्टल बरामद

हमारे संवाददाता

रूद्रपुर। एसओजी और पुलिस ने जिला न्यायालय परिसर समीप से आज दोपहर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जिनकी कार से पुलिस ने एक पिस्टल भी बरामद की गयी है। पकड़े गये संदिग्धों से पुलिस पूछताछ कर रही है जो पंजाब के बताये जा रहे है। चर्चा यह भी है कि ये शूटर हत्या के मामले में पेशी पर लाये जा रहे एक बदमाश की हत्या के इरादे से यहां आये थे। सूंत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हत्या के एक मामले में आज एक आरोपी को जिला न्यायालय में पेशी के लिए लाया जाना था। पुलिस को इनपुट मिला कि कुछ लोग न्यायालय परिसर में अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं। जिसके चलते एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने कोर्ट परिसर में डेरा डालकर सघन चेकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस ने न्यायालय परिसर में आने वाले वाहनों की भी तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक कार से पुलिस को एक पिस्टल बरामद हुयी। जिस कार से पिस्टल बरामद हुयी उसमें सवार होकर आये चार लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार पकड़े गये चार संदिग्धों के कुछ और साथी भी न्यायालय परिसर में आये थें। बताया जाता है कि यह लोग रंजिशन किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए यहां पहुंचे थे। पुलिस की सतर्कता से बड़ी घटना टल गयी। पुलिस ने मामले में अभी कोई खुलासा नहीं किया है। देर शाम तक पुलिस इस मामले में बड़ा खुलासा कर सकती है।

उत्तराखंड राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम से मुलाकात

देहरादून (कास)। उत्तराखंड राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की गई। मुलाकात के दौरान संगठन के प्रतिनिधिमंडल में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कर्मचारी प्रतिनिधि द्वारा मुख्यमंत्री को बधाई प्रेषित करते हुए, राज्य विश्वविद्यालयों में दीर्घावधि से कर्मचारियों के ११०० से अधिक रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने का अनुरोध किया गया।

इससे पूर्व संगठन के प्रतिनिधिमंडल द्वारा कैबिनेट मंत्री डा धन सिंह रावत से भी मुलाकात कर उन्हें भी बधाई दी। डा. रावत के सम्मुख संगठन द्वारा अपना ११ सूत्रीय मांग पत्र भी दिया गया। मंत्री जी द्वारा संगठन को सकारात्मक कार्यवाही का भरोसा देते हुए संगठन से सम्पूर्ण विवरण के साथ मिलने का निर्देश दिया।

प्रतिनिधिमंडल में संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तकनीकी विश्वविद्यालय के दीपक कुमार सुंदरियाल, महामंत्री कुमाऊं विश्वविद्यालय के डा लक्ष्मण सिंह रौतेला, संयुक्त मंत्री दून विश्वविद्यालय के प्रशांत मेहता, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के चंद्रमोहन पैन्यूली, कुमाऊं विश्वविद्यालय से डा पूरन सिंह अधिकारी शामिल रहे।

महिला से मारपीट करने के मामले में फौजी नामजद

संवाददाता

देहरादून। महिला से मारपीट, छेडछाड करने के मामले में पुलिस ने फौजी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपुरी कालोनी निवासी महिला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 18 अप्रैल की शाम अपने घर के बाहर खडी थी तो पास में रहने वाले सुन्दर सिंह ने मुझसे छेड छाड शुरू कर दी, जब उसने विरोध किया तो उसने मुझे पकड लिया और कपडे फाडने का प्रयास किया उसने विरोध किया तो उसने मुझे पकड लिया और कपडे फाडने का प्रयास किया उसके भरपूर विरोध किया और शोर मचाया शोर सुनकर मेरे पडोसी आ गये और बीच बचाव करने लगे, तो उसने मुझे गुस्सा कर गालीयाँ देनी शुरू कर दी जो लोग बीच बचाव करने आये उनके साथ भी मारपीट की और गन्दी-गन्दी गालीयां दी। जिससे मेरी मौसी भी घयाल है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंगेतर के सामने युवती से मारपीट में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। मंगेतर के सामने युवती के साथ मारपीट कर उसको हत्या की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक को नाजमद कर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डांडा लखौड निवासी युवती ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने मंगेतर के साथ खलिंगा पार्क में बैठी थी तभी मेरा पीछा करते हुए मोबिन पुत्र नसीम अहमद निवासी डीएल रोड देहरादून आया और मुझे गंदी गंदी गाली देकर मेरे गले के पास से पकडकर मुझे अपनी तरफ खीचने लगा जिसका मेरे मंगेतर ने विरोध किया तो मोबिन ने मुझे पहले थपड मारा फीर मुझे धक्का देकर नीचे गिराया और लात मार कर मेरा फोन छीनकर यह धमकी देकर भाग गया की अगर मेरे अलावा तुने किसी लडके से बात की तो तुझे गोली से मारा दुंगा या तेजाब से जला दूंगा। यह पहले भी दो-तीन बार मुझसे जबरदस्ती दोस्ती करने के लिए दबाओ बनाने के लिए मेरे साथ मार-पीट कर चुका है। लेकिन आज उसने मेरे मंगेतर के सामने ही मेरे साथ मारपीट की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ग्रामीणों को आपदा से निपटने का प्रशिक्षण देगी सरकार

नैनीताल। आगामी मानसून अवधि में संभावित आपदाओं के दृष्टिगत जिले की तैयारी को लेकर सीएम पुष्कर धामी की अध्यक्षता में हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत शामिल हुए।

उन्होंने सीएम को अवगत कराया कि आपदा जैसी घटनाओं के न्यूनीकरण के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। आगामी मानसून के दृष्टिगत निर्माणदायी संस्थाओं की ओर से सभी नदी नालों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिससे पानी का जमाव न हो व बीमारी के संक्रमण से बचा जा सके। डीएम धीराज गर्ब्याल ने बताया कि जिले के संवेदनशील, भूस्खलन क्षेत्र को राजस्व व निर्माणदायी संस्थाओं के साथ मिलकर चिह्नित कर लिए गए हैं।

जिले में किसी भी प्रकार की आपदा होने पर जल्द कार्रवाई के लिए जिले के युवाओं को १२ दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे त्वरित स्थल पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य किया जा सके। उन्होंने बताया कि किसी भी स्थल पर प्रथम रेस्पांडर स्थानीय ग्रामीण लोग ही होते हैं। इसी के मद्देनजर विभिन्न क्षेत्रों के लोगो को प्रशिक्षित किया जा रहा है। डीएम ने बताया कि कुमाऊं की सभी गतिविधियों का संचालन जनपद से किया जाता है। इसी के दृष्टिगत एसडीआरएफ की संख्या बढ़ाए जाने की आवश्यकता है जिससे कुमाऊं के अन्य जिलों में भी आपदा जैसी घटना होने पर त्वरित राहत एवं बचाव का कार्य किया जा सके।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट, सीडीओ डॉ. संदीप तिवारी, डीएफओ टीआर बीजूलाल, अपर जिलाधिकारी अशोक जोशी, सीओ संजीव कुमार, एआरटीओ विमल पांडेय, डीएसओ मनोज वर्मन, डीडीएमो शैलेश कुमार सहित अन्य लोनिवि जल, विद्युत के अधिकारी मौजूद रहे।

बादशाहीथौल के पारंपरिक मेले में दिखी रौनक

नई टिहरी। कोरोना महामारी के दो साल बाद इस वर्ष पहाड़ में पूरे बैशाख के महीने में विभिन्न जगहों पर आयोजित होने वाले पारम्परिक थौल-मेलों की रौनक दिखाई देने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों से लोग बड़ी संख्या में मेलों में पहुंच रहे है।

मंगलवार को छह गते बैशाख पर बादशाहीथौल में पारंपरिक मेले का आयोजन हुआ। मेले में आस-पास के ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों ने जमकर खरीदारी की। कवि सोमवारी लाल सकलानी तथा सुरम तोपवाल ने बताया कि बादशाहीथौल में आयोजित होने वाला मेला राजशाही के जमाने से चला आ रहा है। कुछ वर्षों पहले थौल मेलों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में भारी उत्साह बना रहता था, दूर दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते थे। कहा आधुनिकता की चकाचौंध में धीरे-धीरे थौल मेलों की लोकप्रियता कम होती चली गई। कहा मेले हमारी संस्कृति की पहचान है, आने वाली पीढ़ी के लिये बचाये रखना हम सब की जिम्मेदारी है। मेले में पहुंचे लोगों ने खरीदारी की। बताया सात गते बैशाख को अलेरु गांव के किल्याखाल में धन सिंह रथी देवता तथा आठ गते बैशाख को वीसी गब्बर सिंह की याद में चंबा का प्रसिद्ध मेले का आयोजन होगा।

खाद्य व कृषि विभाग में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

देहरादून (संवाददाता)। खाद्य व कृषि विभाग में दो लोगों को नौकरी लगाने के नाम पर लाखो रूपये की धोखाधडी की गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दीं। प्राप्त जानकानी के अनुसार पंकज सिंह पुत्र तेज सिंह राणा मूल निवासी गोपेश्वर चमोली हाल निवास बंजारावाला देहरादून व किशन सिंह मूल निवास कोल धारी रामगढ नैनीताल हाल निवास बंगाली कोठी ने पुलिस महानिदेशक को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनकी मुलाकात प्रदीप उनियाल से हुई। जिस पर उसने खाद्यान विभाग व कृषि विभाग में नौकरी का झांसा दिया गया। पंकज सिंह द्वारा इस सबंध में प्रदीप उनियाल को वर्ष 2020 में दस लाख रूपये दिये गये वहीं किशन सिंह द्वारा चार लाख बीस हजार रूपये दिये गये। प्रदीप उनियाल द्वारा हमे नौकरी का झांसा देकर 18 फरवरी 2020 को किशन सिंह को सचिवालय का पास बनाकर इंटरव्यू के बहाने ले जाया गया। उसके बाद लगातार हमे झांसा दिया गया। जब हमने अपने रूपये लौटाने के लिए कहा तो प्रदीप उनियाल द्वारा हमें जान से मारने की धमकी दी गई। डीजीपी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक को बंधक बनाकर मारने पीटने पर पांच नामजद

देहरादून (संवाददाता)। युवक को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट कर घायल करने व जान से मारने की धमकी में पुलिस ने पांच लोगों को नामजद कर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकानी के अनुसार मोथरोवाला निवासी राजेश पाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके बेटे का रिश्ता हरभजवाला निवासी राजेन्द्र पाल की स्वाति पाल लडकी के साथ तय हुआ है और दोनो की शादी 2 मई को होनी तय हुई है लेकिन अब लडकी वाले रिश्ता रखने को मना कर रहे और अब 14 अप्रैल को उसके बेटे को धोखे से किसी रिश्तेदार के घर बुलाकर मारपीट की राजेन्द्र पाल अपने रिश्तेदार से पिटवाया है जिस कारण उसका बेटा बहुत जख्मी हो गया है मारपीट करने वाले राजेन्द्र पाल, प्रवेश पाल, और प्रवेश के साले बोबी पाल, सोनू पाल, विक्रम पाल ने और अन्य लोगों ने की है जिस से उसके बेटे की दो दिन तक अपने घर में रखा है और मारपीट करते रहे, जब हमे पता लगा तो हमने 100 नम्बर पर फोन की तब पुलिस ने उसके बेटे को हमरे हवाले किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जम्मू कश्मीर के पंचायत प्रतिनिधियों ने किया केदारावाला गांव का भ्रमण

विकासनगर (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य व अधिकारियों का ४० सदस्यीय दल भ्रमण पर केदारावाला ग्राम पंचायत में पहुंचा। जम्मू कश्मीर से आये पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों का ग्राम प्रधान तथा पंचायत सदस्यों ने स्वागत किया।

राष्ट्रीय पुरष्कार से सम्मानित ग्राम पंचायत केदारावाला में मंगलवार को पहुंचे जम्मू कश्मीर के पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों के कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से किया गया। इसके बाद मेहमान पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम पंचायत केदारावाला में हुए विकास कार्यों पर पंचायतराज विभाग उत्तराखंड द्वारा तैयार की गयी २२ मिनट की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गयी।

पूर्व ग्राम प्रधान इमरान खान ने ग्राम पंचायत विकास योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत में विभिन्न विभागों द्वारा ग्राम पंचायत के सहयोग से कराये गए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। बताया कि ग्राम पंचायत केदारावाला पूरे देश में ग्राम पंचायत विकास योजना के मॉडल के रूप में कार्य कर रही है। ग्राम प्रधान तबस्सुम इमरान ने ग्राम पंचायत में वर्तमान में चल रही सभी योजनाओं की जानकारी दी।

बताया कि कोरोना से बचाव के लिए कार्य करने के साथ ही गरीब परिवारों को राशन वितरण किया गया। बाहर से आकर ग्राम पंचायत में फंसे मजदूरों को ग्राम पंचायत में रुकवाकर उनके लिए राशन की व्यवस्था की गई। जिला पंचायत राज अधिकारी मो. मुस्तफा खान ने प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा की ग्राम पंचायत केदारावाला से सीखकर आप भी अपनी अपनी ग्राम पंचायत में इसी प्रकार कार्य कर सकते हैं। मनरेगा और पंचायत मद के युगपतिकरण से पंचायत घर, आंगनबाड़ी, बारात घर, सामुदायिक भवन आदि का निर्माण कर सकते हैं। भारत सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेकर ग्रामवासियों को उसका लाभ दिलवा सकते हैं। इस मौके पर मेहमान पंचायत प्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायत में किये गये विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस अवसर पर सूरज सिंह, एडीओ ललित सैनी, जिला पंचायत सदस्य कठुआ धर्मेंद्र कुमार, सुभाष, भगत, संदीप, मजोत्रा, शमीम बेगम, गीतू ओलख, शिल्पा दुबे, आशा कुमारी, आशा चौधरी, अमित सेमवाल, सविता पाल, रुखसाना, जाकिर, शहाना, बिंद्रा रावत, सरोज सुयाल, शमशीदा, शाहजहां, नसीमा बेगम आदि मौजूद रहे।

बर्तनों में रह जाते है तेल या जलने के दाग, इस तरह से करें इनकी सफाई

रसोई में खाना बनाने और परोसने के लिए कई प्रकार के बर्तनों का इस्तेमाल किया जाता हैं। देखा जाता हैं कि खाना खाने के बाद हर प्रकार के बर्तनों में सफाई को लेकर समस्या आती हैं। कुछ बर्तन हाथोंहाथ चमक जाते हैं तो कुछ पर तेल या जलने के दाग रह जाते हैं और वे पीले या जकाले दिखने लगते हैं। ये दाग बर्तनों में से जल्दी साफ नहीं होते हैं। ये दाग दिखने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते हैं। ऐसे में आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं जिनकी मदद से बर्तनों की सफाई को आसान बनाया जा सकता हैं और इन दागों को दूर किया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं किस तरह से करें बर्तनों की सफाई...

स्टील के बर्तन

सामान्य तौर पर किचन में स्टील के बर्तन ही हर घर में यूज़ किए जाते हैं। स्टील के बर्तनों में तेल के दाग तो नहीं लगते हैं। लेकिन इन पर पानी के दाग तुरंत लग जाते हैं और ये छूटते नहीं है। इन पानी के दागों को छुड़ाने के लिए प्याज का रस और सिरका का इस्तेमाल करें। प्याज के रस और सिरके को एक बोतल में बराबर मात्रा में मिलाकर रखें। अब इसमें थोड़ा लिक्विड शोप मिला लें। अब इस मिश्रण से बर्तनों को धोएं। बर्तन चमकने लगेंगे।

प्लास्टिक के बर्तन

इन दिनों लोगों को प्लास्टिक के बर्तन काफी आकर्षित कर रहे हैं। बच्चों से लेकर बड़े तक प्लास्टिक के टिफिन, बॉटल जैसे कई बर्तन इस्तेमाल कर रहे हैं। प्लास्टिक के बर्तनों में खाने की महक आने लगती है जो धोने पर भी नहीं जाती तो कई बार ये पीले पड़ जाते है और इनमे दाग भी लग जाते हैं। इसके लिए आप एक बाल्टी गर्म पानी में तीन चम्मच बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब अपने प्लास्टिक के बर्तनों को इसमें पूरी तरह डुबो कर कुछ देर रख दे। आधे घंटे बाद इन बर्तनों को स्क्रब से रगड़कर साफ पानी से धो लें। या फिर आप पानी में सिरके को मिलाएं, अब इसे दाग-धब्बों वाले बर्तन पर डाल कर कुछ देर के लिए छोड़ दें। थोड़ी देर बाद स्क्रब से रगड़कर साफ करें। ऐसा करने से आपके बर्तन से बदबू भी चली जाएगी और साथ ही वे चमकने भी लगेगे।

पीतल के बर्तन

पीतल के बर्तनों में भी पानी के दाग तुरंत लग जाते हैं। इन दागों को छुड़ाने के लिए नींबू को आधा काट लें व इस पर नमक लगाकर बर्तनों पर रगड़ें। इससे पीतल के बर्तन चमकने लगेंगे। पीतल के बर्तनों में घी के दाग लग जाते हैं। इन दाग को पाउडर या फिर पानी से धोने के बजाए राख से साफ करें। दाग तुरंत साफ हो जाएंगे।

एल्युमीनियम के बर्तन

चाय या पानी गर्म करने के लिए अधिकतर लोगों के किचन में एल्युमीनियम के बर्तनों (सॉसपेन) का इस्तेमाल होता है। कुछ सालों के बाद लगातार चाय बनने के कारण ये बर्तन काले पड़ने लगते हैं। इन काले दागों को छुड़ाने के लिए धोने वाले पाउडर में थोड़ा-सा नमक मिलाकर इस्तेमाल करें। आप देखेंगे कि आपके बर्तन नए हो गए हैं।

बड़े बर्तन

बड़े बर्तन जैसे प्रेशर कुकर में पानी उबलने के काले दाग लग जाते हैं। इन दागों पर कोई ध्यान भी नहीं देता क्योंकि इसमें मेहमानों को खाना सर्व नहीं किया जाता। लेकिन किचन की खूबसूरती तभी बढ़ती है जब सभी बर्तन साफ हों और साफ बर्तनों में प्रेशर कुकर भी शामिल होता है। इसलिए प्रेशर कुकर को भी जरूर साफ करें और प्रेशर कुकर में लगे काले दाग को छुड़ाने के लिए कूकर में पानी, 1 चम्मच वॉशिंग पाउडर व आधा नींबू डालकर उबाल लें। बाद में बर्तन साफ करने की जाली से हल्का रगड़कर साफ करें। कूकर एकदम नए जैसा चमकने लगेगा। या फिर किचन के बड़े बर्तनों को साफ करने के लिए एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा, 1 लीटर पानी और 4-5 बड़े टुकड़े फॉइल पेपर को उबालें फिर इसमें पुराने बर्तन डालें। कुछ देर के बाद बर्तन अपने आप साफ हो जाएंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल करें केला!

अमूमन लोग बालों की समस्याओं का कारण केमिकल्स युक्त हेयर प्रोडक्ट्स को मानते हैं, लेकिन इनकी वजह बालों को पर्याप्त पोषण न मिलना भी हो सकता है। खैर, वजह चाहें जो भी हो आप चाहें तो बालों की समस्याओं से राहत पाने और हेयर केयर प्रोडक्ट्स के विकल्प के तौर पर केले का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि आप किन-किन तरीकों से केले को अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

बतौर कंडीशनर करें इस्तेमाल

आप केले का इस्तेमाल कंडीशनर के तौर पर कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक कटोरे में एक केले को मैश करें, फिर इसमें एक बड़ी चम्मच शहद और दो बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को सिर पर लगाएं और शॉवर कैप पहन लें, फिर इसके आधे घंटे बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद जब यह मिश्रण बालों से पूरी तरह निकल जाए तो उसको माइल्ड शैंपू से धो लें।

चमकदार और मुलायम बाल पाने के लिए केले से करें हेयर स्पा

इसके लिए सबसे पहले एक पके केले को ब्लेंड कर लें, फिर केले के पेस्ट को एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं। इसके बाद बालों को भाप देने के लिए एक बड़े से बर्तन में पानी गर्म कर लें और तौलिया ढककर 10 मिनट तक भाप लें, फिर केले और जैतून का मिश्रण अपने सिर पर लगाएं। 30 मिनट के बाद अपने सिर को माइल्ड शैंपू और ठंडे पानी से धो लें।

दोमुंहे बालों से राहत पाने के लिए केले का हेयर मास्क बनाएं

अमूमन लोग दोमुहे बालों से राहत पाने के लिए हेयरकट करवा लेते हैं, लेकिन आप चाहें तो केले के हेयर मास्क से भी इस समस्या से राहत पा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक मैश केला, तीन-चार चम्मच दही, दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी का पाउडर और इतना पानी मिलाएं कि इसका पेस्ट बन जाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और 30 मिनट के बाद सिर को माइल्ड शैंपू से साफ कर लें।

बालों को पोषित कर सकता है यह हेयर मास्क

पर्याप्त पोषण न मिलने के कारण बाल खराब होने लगते हैं, इसलिए इन्हें पोषित करना महत्वपूर्ण है और केला आपकी इसमें भी मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में पके पपीते का एक चौथाई भाग (पिसा हुआ), एक पका केला और दो चम्मच शहद मिलाएं, फिर इस मिश्रण को सिर पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए सिर को शावर कैप से ढकें। इसके बाद सिर को पहले गुनगुने पानी से धोएं, फिर शैंपू से धोएं।

बीस्ट में पूजा हेगड़े के किरदार ने फैंस को किया निराश

विजय और पूजा हेगड़े अभिनीत बीस्ट बुधवार को रिलीज हुई। पूजा हेगड़े, जो हाल के दिनों में सबसे लोकप्रिय नायिकाओं में से एक बन गई हैं, एक ऐसी भूमिका में दिखाई दी। पहले हाफ में एक गाने के अलावा, उनका ज्यादा प्रभाव नहीं है, जिसने उन्हें धीरे-धीरे बढ़ते हुए फैंटेसी से परेशान किया है।

विजय की मुख्य भूमिका में, नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में पूजा की भूमिका दर्शकों को निराशाजनक लगती है।

उनके एक प्रशंसक ने पिछले बुधवार को हैदराबाद के एक थिएटर में कहा, अगर फिल्म की रिलीज से पहले दो गाने रिलीज हुए ना होते तो कोई उन्हें नहीं पहचानता। यह कई स्तरों पर निराशाजनक है।

स्टार अभिनेत्रियों को केवल सुपरस्टार फिल्मों में गानों में केवल कैमियो प्रदर्शन करने के लिए डाउनग्रेड किया जाता है, जो कि हाल की फिल्मों में बदल गया है।

महर्षि, डीजे-दुव्वादा जगन्नाधम, अरविंदा समथा वीरा राघव, आला वैकुंठपुरमलू जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकीं पूजा हेगड़े पिछले काफी समय से सुर्खियों में हैं।

शब्द सामर्थ्य -100

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

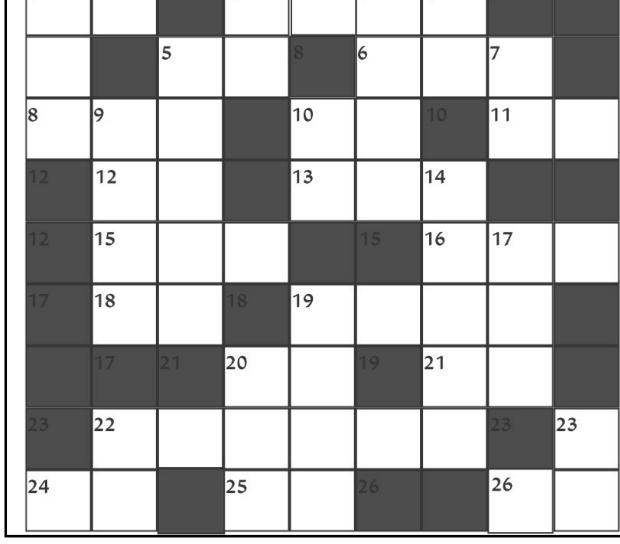

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 99 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

तस्वीरें शेयर कर हंगामा 2 की प्रणिता सुभाष ने फैंस को दी गुड न्यूज

बॉलीवुड फिल्म 'हंगामा 2' में दिखाई देने वाली एक्ट्रेस प्रणिता सुभाष ने हाल ही में अपने फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की है। जी दरअसल प्रणिता सुभाष प्रेग्नेंट हैं और जल्द ही उनके घर किलकारी गूंजने वाली है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने पति नितिन राजू के जन्मदिन पर इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने इस खास और अच्छी खबर को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। आप सभी को बता दें कि प्रणिता ने अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट काफी खास अंदाज में की।

जी दरअसल उन्होंने प्रेग्नेंसी टेस्टिंग किट और सोनोग्राफी की तस्वीर भी हाथों में ली और पति के साथ रोमांटिक तस्वीरों में नजर आईं। आप देख सकते हैं इस समय उनकी यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। जी दरअसल प्रणिता काफी खुश हैं और अब उनकी तस्वीरों पर फैंस और सेलेब्स लगातार कमेंट कर रहे हैं। आप सभी देख सकते हैं प्रणिता सुभाष ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'मेरे पति के 34वें जन्मदिन पर एंजेल्स का हमारे लिए उपहार है।' इन फोटोज में वो अपने पति नितिन राजू की गोद में नजर आ रही हैं और हाथों में उन्होंने अपना सोनोग्राफी रिपोर्ट पकड़ रखा है। वहीं, एक और तस्वीर में दोनों अपने हाथों में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट लिए नजर आ रहे हैं। आप सभी को बता दें कि प्रणिता सुभाष ने साल 2०21 में बैंगलोर बेस्ड बिजनसमैन नितिन राजू से निजी समारोह में शादी की थी। जी हाँ और उन्होंने परिवार के सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी और अचानक सोशल मीडिया पर फैंस को शादी की खबर दी थी।

शोभिता धूलिपाला ने मेड इन हेवन 2 की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला ने बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा सीरीज मेड इन हेवन के दूसरे सीजन की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स के साथ इस खबर को शेयर किया। शोभिता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक एनिमेटेड पोस्टर साझा किया जिसमें वह अपने मेड इन हेवन के सिग्नेचर पोज में बैठी है। अभिनेत्री ने अपने दूसरे सीजन की शूटिंग के समापन की घोषणा करते हुए कैप्शन में लिखा, मेड इन हेवन के सीजन 2 की टॉपर तारा खन्ना ने शूटिंग पूरी हुई। इसे आपको दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। शोभिता ने शो के पहले सीजन में अपने प्रदर्शन से काफी फेम पाई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अभिनेत्री के पास रॉनी स्क्रूवाला की सितारा, मणिरत्नम की मैग्नम ऑप्स पोन्नियिन सेलवन (तमिल), तेलुगु फिल्म मेजर और हॉलीवुड प्रोजेक्ट मंकी मैन सहित कई प्रोजेक्ट हैं।

उर्वशी रौतेला ने किक-बॉक्सर बुरहानुद्दीन रंगवाला को उनकी जीत पर बधाई दी

मुंबई के 7 वर्षीय बुरहानुद्दीन रंगवाला के किक-बॉक्सिंग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के लिए पदक जीतने के बाद, अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने ट्वीट कर उन्हें बधाई दी। ट्वीट में लिखा, बुरहानुद्दीन रंगवाला पर बहुत गर्व है। मुंबई के युवा किक-बॉक्सर ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के लिए पदक जीते हैं। आप पर गर्व है। ओलंपिक में आपको देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। लव यू किड्डो।

अभिनेत्री ने कहा, भारत को कला या खेल में इतनी प्रतिभा का आशीर्वाद प्राप्त है। इसे दूसरे स्तर पर ले जाने के लिए प्रोत्साहित करना हमारा कर्तव्य है। ये छोटे बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। उनका खेल के लिए प्यार देखना अद्भुत है।

वहीं बुरहानुद्दीन ने कहा, मैं धन्य हूं कि मेरे माता-पिता मेरा समर्थन कर रहे हैं और मेरे सपनों को पूरा करने में मेरी मदद कर रहे हैं। मैं महाराष्ट्र सरकार, उर्वशी मैम, संजीदा (शेख) मैम का आभारी हूं, जो सभी मुझे शुभकामनाएं भेज रहे हैं। यह मेरी अगली जीत के लिए एक तरह से मुझे प्रोत्साहित कर रहा है।

बीस्ट के अरबी कुथु पर मृणालिनी रवि ने किया डांस

अभिनेता विजय और पूजा हेगड़े अभिनीत निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की आगामी एक्शन एंटरटेनर फिल्म बीस्ट के तमिल चार्टबस्टर अरबी कुथु पर डांस करने से सेलिब्रिटी खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। फिल्म का पहला गाना, जिसे दो महीने पहले रिलीज किया गया था और जिसे अब तक यूट्यूब पर 292 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। इस पर अभी भी कई कलाकार इस पर नाच रहे हैं। फिल्म के पर्दे पर आने से ठीक एक दिन पहले, अभिनेत्री ने ट्विटर पर अपने दो दोस्तों के साथ डांस करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।उन्होंने ट्वीट किया, हलामती हबीबी पर डांस करने के लिए कभी भी देर ना करें। आशना जावेरी, रश्मिका मंदाना, सामंथा रूथ प्रभु, कीर्ति सुरेश और याशिका आनंद सहित कई अभिनेत्रियों ने इस गाने का लुत्फ उठाया है। अनिरुद्ध द्वारा धुन पर सेट, जिन्होंने जोनिता गांधी के साथ पेप्पी नंबर भी गाया है, इस गाने के बोल अभिनेता शिवकार्तिकेयन के हैं।

फिल्म धाकड़ में एक्शन-मोड़ में दिखी कंगना

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को हर कोई पसंद करता है और वह इन दिनों एक बेहतरीन शो को होस्ट कर रहीं हैं। इन सभी के बीच वह अपनी आगामी फिल्म 'धाकड़' के लिए भी चर्चाओं में बनी है। वहीं अब उनकी फिल्म का टीजर सामने आया है। खबरों के अनुसार कंगना अपनी इस एक्शन-पैक्ड फिल्म में सात अलग-अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जी हाँ और कंगना के फैंस की इस फिल्म को लेकर बेताबी फैंस के बीच देखने के लिए मिल रही है। अब इन सभी के बीच फिल्म 'धाकड़' का टीजर रिलीज कर दिया है।

जी हाँ और इस फिल्म में कंगना एजेंट अग्नि के रूप में नजर आने वाली हैं, जो एक खुफिया मिशन पर निकली है। आप देख सकते हैं फिल्म 'धाकड़' के टीजर वीडियो में कंगना रनौत का पहले कभी न दिखने वाला लुक दिखाई दे रहा है। जी हाँ और इस टीजर में साफ़ नजर आ रहा है कि कंगना रनौत ने फिल्म में काफी एक्शन सीन दिए हैं। इन सभी को अंतरराष्ट्रीय टेक्नीशियंस द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है और तेज रफ्तार बाइक से लेकर अपने दुश्मनों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने तक, कंगना रनौत एक एकदम हटकर अवतार में उनके फैंस को काफी पसंद आने वाली हैं।

आप सभी को बता दें कि कंगना रनौत स्टारर धाकड़ का निर्देशन रजनीश घई द्वारा किया गया है। इस फिल्म में कंगना रनौत को लेकर रजनीश घई का कहना है कि एक नई एक्शन स्टार उभर रही है। कंगना रनौत पूरी तरह से एक मास्टर हैं। उनका फिल्म में प्रत्येक लुक काफी यूनीक है। इतना ही नहीं, हमने कभी भी कंगना रनौत को इससे पहले इस तरह के एक्शन करते हुए नहीं देखा है। फिल्म में कंगना रनौत के अलावा दिव्या दत्ता और अर्जुन रामपाल भी हैं। इसी के साथ खबर है कि फिल्म में अर्जुन रामपाल विलेन की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

जूनियर एनटीआर ने तेलुगू फिल्म उद्योग में पूरे किए 25 साल

कोमाराम भीम के रूप में चमकने वाले आरआरआर अभिनेता जूनियर एनटीआर ने तेलुगू फिल्म उद्योग में 25 साल पूरे कर लिए हैं। 11 अप्रैल को जूनियर एनटीआर की पहली फिल्म रामायणम की 25वीं वर्षगांठ है, जिसे बाला रामायणम के नाम से जाना जाता है।

जूनियर एनटीआर ने बाल कलाकार के रूप में अपनी शुरुआत बाला रामायणम से की थी, जो 1997 में इसी तारीख को रिलीज हुई थी। एनटीआर एक शास्त्रीय नर्तक भी थे। उन्होंने कास्टिंग टीम का ध्यान खींचा था, जिसने उन्हें राम की भूमिका दी थी।

शकुंतलम के निर्देशक गुणशेखर ने इस पौराणिक नाटक के लिए मेगाफोन का इस्तेमाल किया, जिसमें जूनियर एनटीआर को भगवान राम के रूप में दिखाया गया था।

फिल्म को 1998 में दो नंदी पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म (स्वर्ण) और सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेत्री (रावण के रूप में स्वाति) मिले थे। 3,००० से अधिक बच्चों की विशेषता बाला रामायणम का निर्माण शब्दालय थिएटर के तहत किया गया था।

25 साल के शानदार करियर के साथ, जूनियर एनटीआर ने 3० से अधिक फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ब्लॉकबस्टर हिट हैं। उनका करियर आदि, सिम्हाद्री, टेम्पर, जनथा गैराज और अरविंदा समीथा वीरा राघव जैसी हिट फिल्मों से भरा हुआ है।

आरआरआर, जो जूनियर एनटीआर के साथ एस.एस. राजामौली के चौथे सहयोग का प्रतीक है, अभिनेता की पहली अखिल भारतीय फिल्म है। अपने बहु-भाषाई दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले जूनियर एनटीआर अगली बार कोराताला शिव द्वारा निर्देशित एनटीआर 3० में दिखाई देंगे। वह प्रशांत नील के निर्देशन में बनने वाली आगामी फिल्म में भी अभिनय करेंगे।

कॉमेडियन सतीश थ्रिलर सत्तम एन कायिल में आएंगे नजर

अभिनेता सतीश अपनी आगामी फिल्म सत्तम एन कायिल में एक गंभीर भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। अभिनेता सिलंबरासन उर्फ सिम्बु ने फिल्म का पहला लुक जारी किया, जिसे चाछी द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। निर्देशक चाछी ने कहा कि मैं कॉमेडी अभिनेता सतीश को एक नए अवतार में दिखाना चाहता था। वह एक ऐसे अभिनेता हैं जो न केवल केवल कॉमेडी भूमिकाओं में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। वह अन्य भूमिकाओं में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। सत्तम एन कायिल इसे साबित करेगी।

मेरी पहली निर्देशित फिल्म एक कॉमेडी फिल्म थी, लेकिन यह एक अनोखी थ्रिलर होगी। पूरी कहानी रात में शूट होनी है। एक रात, नायक पुलिस द्वारा शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में पकड़ा जाता है। घटनाओं का अप्रत्याशित मोड़ ऐसा होता है, फिल्म उस पर आधारित है।

स्टारकास्ट में अजय राज, पावल नवगीथन, विद्या प्रदीप, माइम गोपी, केपीवाई सतीश, ऋत्विका तमिलसेल्वी, गजराज, बावा चेल्लादुरै, आर रामदास, वेनबा, जीवा रवि और एडम्स शामिल हैं।

विश्व विमर्श: रूस यूक्रेन के बहाने ताइवान का 'खटका'

डॉ. सुधीर सक्सेना

रूस यूक्रेन की जंग जारी है और इसने ऐसी जंग की शक्ल अख्तियार की है, जो एकबारगी थमने के बाद भी अलग-अलग रूपों में जारी रहेगी। वजह यह कि रूस यूक्रेन अब महज एक मुल्क नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनय की बिसात पर एक मोहरा है। अर्से बाद रूस के खिलाफ एक ताकतवर मोहरा अमेरिका के हाथ लगा है। रूस इस मोहरे की ताकत बखूबी जानता है। यही वजह है कि शह और मात के इस रोमांचक खेल में ग्रैण्ड मास्टर व्लादिमीर पूतिन ने जो मारे, सो मीर की आक्रामक शैली अख्तियार की है। आज रूस यूक्रेन में रूस और अमेरिका ही नहीं, अलग-अलग कारणों से नाटो समेत योरोपीय राष्ट्रों की भी रूचि है। इस पेचीदा संकट से इन राष्ट्रों की अतीत की स्मृतियां और भविष्य के स्वप्न जुड़े हुए हैं। मगर दिलचस्प बात है कि रूस यूक्रेन के बहाने यकबयक ताईवान का खटका उभर आया है।

रूस यूक्रेन के बहाने ताईवान के खटके के उभरने के पीछे पर्याप्त और ठोस कारण हैं। ताईवान पश्चिमोत्तर प्रशांत महासागर में स्थित अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके उत्तर-पश्चिम में चीन, उत्तर-पूर्व में जापान और दक्षिण में फिलिप्पींस हैं। आबादी लगभग दो करोड़ 40 लाख है। प्रतिशत के मान से ईसाई और मुस्लिम आबादी का योग यहां 10 फीसदी भी नहीं है। लगभग 44 प्रतिशत लोग स्थानीय धर्म को मानते हैं और करीब 21 प्रतिशत जनसंख्या बौद्ध धर्म की अनुयायी है।

इस सुन्दर-सुरम्य द्वीप पर योरोप के उपनिवेशवादियों की निगाह पहलेपहल तब पड़ी थी, जब पुर्तगाल के बेड़े ने सन् 1542 में यहां लंगर डाला था। कागजात में इसे 'इल्हा फार्मोसा' (सुंदर टापू) दर्ज करने के कारण इसके लिए लंबी अवधि तक फार्मोसा शब्द रूढ़ रहा। 17वीं सदी में यहां डच ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापारिक कोठी खोली। 17वीं सदी में यहां बड़ी संख्या में हान-चीनियों का आव्रजन हुआ और चीन के क्विंग राजवंश ने इसे जीता भी। सन् 1895 में यहां जापान का कब्जा हुआ, किन्तु द्वितीय विश्वयुद्ध में आत्मसमर्पण के बाद उनका शासन जाता रहा। सन् 1960 के दशक में ताईवान ने तीव्र निर्यातोन्मुख औद्योगिक प्रगति से आर्थिक मोर्चे पर चमत्कारिक छलांग लगाई और विकसित राष्ट्रों की पांत में जा खड़ा हुआ। आर्थिक मोर्चे पर कमाल के बावजूद ताईवान राजनय में फिसड्डी साबित हुआ और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने उसके सारे रास्ते छेंक लिए। उसे सबसे बड़ा आघात तब लगा, जब 25 अक्टूबर, सन् 1971 को उसे संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता से हाथ धोना पड़ा।

रूस यूक्रेन संकट ने चीन को आपदा में अवसर प्रदान कर दिया है। उसने रूस के आक्रामक तेवर देखे हैं और अमेरिका का असमंजस भी। चीन ही नहीं, नाटो और योरोपीय राष्ट्रों की दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे हटने की रणनीति सारी दुनिया ने देख ली है। वियेतनाम, इराक और अफगानिस्तान से सबक लेकर अमेरिका जहां युद्ध की अग्नि में अपने सैनिकों को झोंकना नहीं चाहता, वहीं दो विश्वयुद्धों से सबक लेकर योरोप अपनी भूमि पर तीसरे विश्वयुद्ध से बचना चाहता है। रूस यूक्रेन संकट की विषम वेला में मस्क्वा के साथ खड़े होकर बीजिंग ने ताईवान पर उसके समर्थन की गारंटी हासिल कर ली है। रूस यूक्रेन में फौजी कार्रवाई से पेश्तर फरवरी में ही व्लादिमीर पूतिन के शी जिंन पिंग के नाम पत्र से ताईवान को चीन का हिस्सा मानने की धारणा पर क्रेमलिन की मोहर लग गई है। अब यदि चीन ताईवान पर अधिपत्य के लिए सैन्य कार्रवाई करता है, तो रूस उसका बगलगीर रहेगा और मस्क्वा - बीजिंग धुरी से पंगा लेने के पहले व्हाइट हाउस को अनेकश: सोचना होगा। जबकि यह ध्रुव सत्य है कि सन्निहित खतरों के बावजूद तब ताईपेई को आश्वासन या नैतिक बल की नहीं, वरन सचल फौजी बूटों और हथियारों की जरूरत होगी।

सन् 1925 में सन यात सेन और राष्ट्रीय क्रांतिकारी सेना तथा कुओमिंतांग के तहत एकीकरण अब इतिहास की बातें हैं। सचाई यह है कि लगभग 3.4 करोड़ की आबादी के ताईवान के हाथों से समृद्धि के बावजूद चीजें लगातार फिसलती गईं। सन् 70 के आते-आते समीकरणों में बहुत बदलाव आ गया। चीन के आर्थिक और सामरिक महाशक्ति के तौर पर उभरने और परमाणु क्षमता हासिल करने के पश्चात उसके प्रति उन्नत और शक्तिशाली राष्ट्रों के रवैये में फर्क आया। सन् 1979 में साम्यवादी चीन को अमेरिका की मान्यता के बाद राष्ट्रवादी चीन हाशिये में सरकता गया। आज जहां साम्यवादी चीन संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद का सम्मानित सदस्य है, वहीं राष्ट्रवादी चीन यानी चीनी ताईवान को यूएनओ के 193 में से सिर्फ 13 देशों की मान्यता प्राप्त है। पिछले बरसों में ताईवान की वरीयता और दृष्टिकोण में भी फर्क आया है। उसने अपने सैन्य बल और खर्चे में कटौती की है। सन् 1997 में उसका सैन्यबल साढ़े चार लाख सैनिक था, जो सन् 2001 में घटकर तीन लाख अस्सी हजार और सन् 2009 में और घटकर तीन लाख रह गया। इसके पूर्व 3 अक्टूबर, सन् 2008 को ताईवान ने अमेरिका से 6.5 बिलियन डॉलर का अत्याधुनिक सामरिक उपकरणों का भारी-भरकम सौदा किया और वह मिसाइलें और डीजलचालित पनडुब्बियां भी खरीदने की फिराक में है। अमेरिका से 4 विध्वंसक वह खरीद चुका है, लेकिन वह जानता है कि इतने हथियारों और सैनिकों के बूते चीन के खुल्लमखुल्ला आक्रमण की स्थिति में वह अपनी सार्वभौमिकता की रक्षा नहीं कर सकेगा।

संयुक्त राज्य अमेरिका और रिपब्लिक ऑफ चाइना के मध्य सन् 1954 की सुरक्षा संधि ही ऐसी 'ढाल' है, जो चीन के खिलाफ ताईवान को बचाव की उम्मीद बंधाती है, लेकिन ताईवान रिलेशंस एक्ट या कोई भी दस्तावेज इस बात की गारंटी नहीं देता कि बाहरी आक्रमण की हालत में अमेरिका ताईवान को बचाने का ठोस फौजी उपक्रम करेगा। ताईवान पर कुछ और भी खतरे मंडरा रहे हैं। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना अब विश्वशक्ति है और उसकी नाराजगी मोल लेने की ताब दुनिया में नहीं है। कभी फ्रांस और नीदरलैंड भी ताईवान को हथियार दिया करते थे, लेकिन चीन की भृकुटि में बल पड़ते देख उन्होंने ताईवान को शस्त्र-आपूर्ति से तौबा कर ली। 22 अक्टूबर, 2021 को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बायडन ने यह तो कहा कि चीन के हमले की स्थिति में अमेरिका ताईवान की हिफाजत करेगा। किन्तु उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस कूटनीतिक शब्द से उनका क्या अभिप्राय है? चीन के शी जिंग पिंग और रूस के व्लादिमीर पूतिन के स्वभाव में ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों ही अपने-अपने देशों के सामरिक हितों को लेकर अत्यंत सचेत हैं, बल्कि दोनों ही स्वेच्छाचारी और विस्तारवादी हैं। दोनों को ही अपने-अपने देश की जनता को कोई कैफियत नहीं देनी है।

ताईवान में सत्ता त्साई ईंग वेन के हाथों में है। वहां अर्धद्धराष्ट्रपति प्रणाली है। हालांकि, राष्ट्रपति अथवा किसी ताईवानी नेता ने खुलकर अपनी चिंता या डर का इजहार नहीं किया है, किन्तु पड़ोसी राष्ट्र जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो एबे ने एक इंटरव्यू में स्पष्ट कहा है कि अमेरिका को असमंजस से उबरकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह ताईवान पर चीन के आक्रमण की स्थिति में उसके बचाव के लिए सीधी कार्रवाई करेगा या नहीं? एबे मानते हैं कि यदि चीन वायुश्रेष्ठता के बल पर नभ-वर्चस्व की चेष्टा करता है तो उसका असर जापान के आकाश पर भी पड़ेगा। विशेषज्ञों का यह भी अनुमान है कि ताईवान और चीन के मध्य संघर्ष की स्थिति में चीन जापान, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की आर्थिक नाकाबंदी भी कर सकता है। कल कुछ भी हो किन्तु अफगानिस्तान से सैनिकों की औचक वापसी और रूस यूक्रेन की मदद के लिए फौजी टुकड़ियां नहीं भेजने के व्हाइट हाउस के अप्रत्याशित फैसले ने पहले से अलग-थलग पड़े ताईवान के माथे पर सलवटें डाल दी हैं।

सू- दोकू क्र.100

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.99 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

लॉक अप कई रियलिटी शो के लिए एक वेक-अप कॉल है : रेहना पंडित

इश्कबाज की अभिनेत्री रेहना पंडित रियलिटी शो लॉक अप में अपने प्रेमी और टीवी शख्सियत जीशान खान को देखने का आनंद ले रही हैं। वह कहती हैं, लॉक अप गेम बहुत अच्छा है। यह सफल है और दर्शकों को हर पल बांधे रखता है। अब तक मुझे लगता है कि यह सबसे वास्तविक रियलिटी शो है। अन्य शो की तरह नहीं, जहां आपको आश्चर्य होता है कि प्रतियोगी को क्यों घसीटा जा रहा है। उनके पास पेशकश करने के लिए कुछ नहीं है। यह कई रियलिटी शो के लिए एक वेक-अप कॉल है।

जमाई राजा, इश्कबाज, मनमोहिनी जैसे शो में काम करने के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री अपने प्यार का समर्थन कर रही हैं।

वह आगे कहती हैं, मुझे जीशान को देखने में मजा आता है, न केवल इसलिए कि वह मेरे करीब है, बल्कि दर्शक भी पसंद कर रहे हैं। वह सुपर मनोरंजक, सीधे आगे और स्पष्ट है। मुझे उम्मीद है कि वह विजेता के रूप में सामने आएगा। वास्तव में फीडबैक के बारे में पढ़ना उनके प्रशंसकों और दर्शकों द्वारा सोशल मीडिया पर उनके खेल के लिए मुझे उन पर गर्व महसूस हो रहा है।

छात्रों की फिक्र कहां?

भारत में हर साल विभिन्न वजहों से हजारों छात्र आत्महत्या कर लेते हैं। ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कभी कोई ठोस पहल नहीं की गई। कुछ संस्थानों ने मानसिक अवसाद से जूझने वाले छात्रों की काउंसलिंग के लिए केंद्र खोले हैं। लेकिन उसका खास फायदा नहीं नजर आ रहा है।

कोलकाता स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च के एक छात्र की रहस्यमय हालात में मौत ने एक बार फिर उच्च शिक्षा क्षेत्र में जारी समस्याओं की तरफ ध्यान खींचा है। लगातार बढ़ती ऐसी घटनाओं से साफ है कि उच्च शिक्षा क्षेत्र में कहीं कोई गड़बड़ी है। दुखद यह है कि ऐसे किसी मामले के सामने आने पर दो-चार दिन चर्चा होती है। फिर सब कुछ जस का तस हो जाता है। गौरतलब है कि कोलकाता में शुभदीप राय के पहले बीते महीने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र संजय पटेल ने आत्महत्या की थी। उससे पहले पिछले जुलाई में आईआईटी- चेन्नई के शोध छात्र उन्नीकृष्णन का शव परिसर के भीतर जली हुई हालत में बरामद किया गया था। ऐसी घटनाओं की सूची काफी लंबी है। कोलकाता के छात्र ने अपनी डायरी में अपने गाइड की आलोचना करते हुए लिखा था कि वे किसी तरह का सहयोग नहीं करते और खुद कुछ लिखते-पढ़ते नहीं हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर साल विभिन्न वजहों से हजारों छात्र आत्महत्या कर लेते हैं।

ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कभी कोई ठोस पहल नहीं की गई। कुछ संस्थानों ने मानसिक अवसाद से जूझने वाले छात्रों की काउंसलिंग के लिए केंद्र खोले हैं। लेकिन उसका खास फायदा नहीं नजर आ रहा है। अफसोसनाक यह है कि ऐसी हर घटना के बाद लीपापोती का प्रयास तेज हो जाता है। ज्यादातर मामलों को मानसिक अवसाद की आड़ में दबा दिया जाता है। लेकिन मूल कारणों की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। यही वजह है कि ऐसे मामले थमने की बजाय बढ़ते ही रहे हैं। जबकि शिकायत यह है कि ज्यादातर मशहूर संस्थानों में दाखिले के कुछ साल बाद ही संस्थान और प्रोफेसरों के रुख के कारण शोध छात्र खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगते हैं। देश में शिक्षण संस्थानों में जड़ें जमा चुकी इन गड़बड़ियों के कारण ही हर साल भारी तादाद में शोध छात्र विदेशी विश्वविद्यालयों का रुख करते हैं। लेकिन सबके पास इतना सामर्थ्य नहीं होता। नतीजतन उनके पास देश में ही शोध करने का विकल्प बचता है। और यहां हालात अवसाद पैदा करने वाले हैं। जबकि शिक्षाविद ये बात बार-बार कह चुके हैं कि शिक्षण संस्थानों में खासकर शोध के क्षेत्र में मौजूद गड़बड़ियों को दूर करने की दिशा में ठोस पहल करनी होगी। क्या अब ऐसा होगा?(आरएनएस)

विभिन्न समस्याओं को लेकर अपर आयुक्त खाद्य नागरिक आपूर्ति से मिले कांग्रेसी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देहरादून महानगर कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमण्डल ने महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में अपर आयुक्त खाद्य नागरिक आपूर्ति से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन प्रेषित करते हुए सस्ता गल्ला के माध्यम से वितरित की जाने वाली विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री की मात्रा में वृद्धि करने तथा अन्य प्रकार की समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके समाधान का अनुरोध किया।

महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने अपर आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में कहा कि राज्य खाद्य योजना के अन्तर्गत वर्तमान में ५ कि.ग्रा. गेहू एवं २.५० कि. ग्रा. चावल का वितरण किया जा रहा है। इस खाद्यय योजना में खाद्यय सामग्री की वृद्धि करते हुए १५ कि.ग्रा. गेहू एवं १० कि.ग्रा. चावल किया जाय। राष्ट्रीय खाद्यय सुरक्षा योजना के अन्तर्गत नये राशन कार्ड बनने बन्द हो गये हैं तथा पुराने बने कार्डों में नई यूनिट नहीं चढ पा रही हैं, जिससे गरीब परिवारों को कठिनाई का सामना करना पड रहा है। अतः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के कार्ड बनवाये जांय। खाद्यान्न वितरण गोदामों में वाट–माप नहीं लगाये गये हैं जिससे गोदाम से मनमाने ढंग से राशन का वितरण बोरियों की गिनती के हिसाब से दिया जा रहा है जिससे विक्रेताओं को कम राशन मिल रहा है तथा राशन वितरण में कठिनाई हो रही है।

उन्होंने कहा कि सस्ता गल्ला विक्रेताओं को वर्तमान में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का ढुलान भाडा नहीं मिल पा रहा है। अतः सस्ता गल्ला विक्रेताओं को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का ढुलान भाडा दिया जाय। साथ ही राज्य खाद्यय योजना कार्ड के खाद्यान्न लाभांश में वृद्धि की जाय। खाद्यय विभाग द्वारा बनाये गये पीवीसी कार्डों में कई प्रकार की त्रुटियां बनी हुई है, यथा; नाम किसी व्यक्ति का है तथा फोटो किसी अन्य की लगी हुई हैं। साथ ही नामों में भी काफी त्रुटियां हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि पर्वतीय राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर पूर्व की भांति चीनी कोटे को बहाल किया जाय।

प्रतिनिधिमण्डल ने यह भी कहा कि कोरोना काल में सस्ता गल्ला विक्रेताओं से किये गये वादे के अनुरूप मृत हुए विक्रेताओं के परिजनों तथा बीमारी से पीडित विक्रेताओं को उपचार का उचित मुआबजा दिया जाय। कोरोना काल में राष्ट्रीय खाद्यय सुरक्षा योजना कार्डों का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया था तथा यह मामला आज भी विभागीय स्तर पर लम्बित है जिससे योजना का कोटा जारी नहीं हो पा रहा है। अतः इस योजना का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण किया जाय। अपर आयुक्त ने प्रतिनिधिमण्डल को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा रखी गई न्यायोचित मांगों पर कार्रवाई की जायेगी। प्रतिनिधिमण्डल में पूर्व विधायक राजकुमार, आनन्द त्यागी, रमेश कुमार मंगू, अनिल क्षेत्री, प्रियांस छाबडा, सिद्धार्थ वर्मा, सौरभ ममगाई, विजय गुप्ता आदि शामिल थे।

धूं-धूं कर जले बिलोटा-अमसारी के जंगल

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। मुख्यालय से सटे बर्सू ग्राम पंचायत के बिलोटा एवं अमसारी के जंगल बीती रात आग की भेंट चढ़ गए। यहां रातभर जंगल धूं–धूंकर जलते रहे। आसपास के गांवों को खतरा देख फायर सर्विस और क्षेत्रीय लोग देर रात तक आग बुझाते रहे। आग से बड़ी मात्रा में वन सम्पदा राख हो गई।

मुख्यालय से लगे अमसारी और बिलोटा क्षेत्र में बीती रात भीषण आग लगी। रात होते ही आग ने और भीषण रूप लिया। पहले अमसारी के करीब के जंगल आग से जल गए जबकि इसके बाद बिलोटा क्षेत्र से होते हुए आग कमेडी की ओर गई। यहां भी बडी मात्रा में जंगल आग से नष्ट हो गए। बिलोटा, चामगदेरा, कमेडी के गांवों ने खतरा देखते हुए देर रात तक आग बुझाने का काम किया।

फायर सर्विस की टीम रातभर तक आग बुझाने में जुटी रही। बर्सू के प्रधान अनूप सेमवाल के साथ ही स्थानीय निवासी दिनेश चन्द्र सेमवाल के अलावा कई लोगों ने आग बुझाने में सहयोग किया।

मांगों को लेकर प्रान्तीय रक्षक दल हित संगठन ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

विशेष संवाददाता

देहरादून। प्रान्तीय रक्षक दल हित संगठन उत्तराखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद मन्दरवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनको दुबारा मुख्यमंत्री बनाये जाने पर उनके आवास पर बधाई देते हुए पीआरडी जवानों की मुख्य मॉगो से सम्बन्धित ज्ञापन सौंपा गया है।

ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि आपके द्वारा पूर्व में की गयी घोषणाओं जिनमें नियमित रोजगार,साल भर में तीन सौ दिन का रोजगार, दो लाख रुपए दुर्घटना बीमा, पुर्व मंत्री अरविन्द पाण्डेय द्वारा कि गई घोषणाएं जैसे ईएल, सीएल, पीएफ व अवकाश सहित अन्य मांगो पर सकारात्मक प्रतिक्रिया जताते हुए पूर्ण आश्वासन दिया गया था। जिस पर सीएम द्वारा इन मांगों को जल्द ही पूरा करने एवं शासन आदेश जारी करने का भरोसा दिलाया गया। जिसके लिए प्रतिनिधि मण्डल के सभी पदाधिकारियों बीर सिंह रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष गम्भीर रावत, प्रदेश सलाहकार कमला रावत,प्रदेश कोषाध्यक्ष विनीता क्षेत्री, सक्रिय सदस्य विनोद कुमार,ने मुख्यमंत्री का आभार जताया गया।

विधानसभा में बैकडोर से भर्तियों के खिलाफ सुराज सेवा दल का प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

देहरादून। सुराज सेवा दल ने विधानसभा में बैकडोर से हो रही भर्तियों के विरोध में आज विधानसभा के बाहर बैठकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। सुराज सेवा दल के अध्यक्ष रमेश जोशी की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम में सुराज सेवा दल के समस्त पदाधिकारियों ने भाग लिया।

इस मौके पर सुराज सेवा दल के अध्यक्ष रमेश जोशी ने बताया कि विधानसभा में 35 भर्तियां आई थी जिनकी अभी तक भर्तियां नहीं की गई और बैकडोर से 78 भर्तियां बिना किसी विज्ञापन के अपने लोगों को भर्ती कर दिया गया है। उन्होने कहा कि यह भ्रष्टाचार का जीता जागता उदाहरण है! उन्होने कहा कि सचिव अपनी ही कलम से सचिव बन कर बैठे हैं। उनको न कोई पदोन्नति देने वाला है और न ही उनसे कोई पद छीनने वाला है। उन्होने कहा कि सुराज सेवा दल आज उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूरी भूषण से निवेदन करता है कि इस भर्ती प्रक्रिया को किसी भी केन्द्रीय जांच एेजेन्सी सीबीआई या ईडी से निष्पक्ष जांच करवा दें और इन भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों की या नेताओं की जिनकी भी मिलीभगत है उनको सजा मिल जाए। उन्होने कहा कि आज उत्तराखंड में 72000 करोड रुपए का कर्जा हो चुका है और यह कर्जा उत्तराखंड के किसी विकास कार्य में नहीं लगा है यह कर्जा मात्र इन भ्रष्ट अधिकारियों और भ्रष्ट नेताओं के घरों में है। उन्होने कहा कि दल निवेदन करता है कि इस प्रदेश को बर्बाद होने से बचाए। इस अवसर पर सुराज सेवा दल के राजेंद्र पन्त, सुंदर राज, दीपक, प्रदुमन, पदमा, मोहिनी, मोनिका, अंजू, शालू रेनु सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारी मात्रा में स्मैक सहित पिता-पुत्र गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने दो तस्करों को भारी मात्रा में स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिता–पुत्र बताये जा रहे है जिनसे पुलिस ने लाखों रूपये की स्मैक बरामद की है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली हल्द्वानी पुलिस व एसओजी नैनीताल को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतु आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए कोतवाली पुलिस व एसओजी नैनीताल में क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बेलबाबा मन्दिर टीपी नगर के समीप बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। संयुक्त टीम ने जब उन्हे रोकना चाहा तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 129 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपने को पिता पुत्र बताते हुए अपना नाम राजेश कुमार पुत्र गिरीश बाबू व गिरीश बाबू पुत्र रामलाल निवासी ग्राम जालिफ नगल रामपुर उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने उन्हे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

नशीले इंजेक्शनों की तस्करी में महिला सहित तीन गिरफ्तार

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त महिला सहित तीन लोगों को पुलिस ने 400 नशीले इंजेक्शनों की खेप सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना बनभूलपुरा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में नशीले इंजेक्शनों की भारी मात्रा में खेप सहित कुछ नशा तस्कर आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला कर कब्रिस्तान गेट के पास नई बस्ती को जाने मार्ग से एक संदिग्ध महिला सहित तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। जिनके पास से 400 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम असद वारसी पुत्र मौ. असलम निवासी नई बस्ती कब्रिस्तान गेट, मौ. समीर पुत्र मौ. अशफाक निवासी बंजारन मस्जिद के पास व सोनम पत्नी राजा निवासी नई बस्ती गोपाल मन्दिर बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

एक नजर

झुग्गी-झोपड़ी में आग लगने से एक ही परिवार के 5 बच्चों सहित 7 लोगों की मौत

लुधियाना । पंजाब के औद्योगिक शहर लुधियाना में एक झुग्गी झोपड़ी में बुधवार सुबह आग लगने से पांच बच्चों सहित एक ही परिवार के सात सदस्यों की झुलसने से मौत हो गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंची, जिसने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि परिवार का कोई सदस्य बाहर नहीं निकल पाया। वहीं परिवार का एक सदस्य, जो घटना के समय झोपड़ी में नहीं था वह बच गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण नगर निगम के एक बड़े कूड़े के ढेर में लगी आग हो सकती है, जो पिछले कुछ दिनों से आग की चपेट में आया हुआ है। सहायक पुलिस आयुक्त (पूर्व) लुधियाना सुरिंदर सिंह ने कहा कि, वे बिहार के प्रवासी मजदूर थे और घटना के समय सो रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि,मृतकों की पहचान सुरेश साहनी (५५) उसकी पत्नी अरुणा देवी (५२), बेटी राखी (१५), मनीषा (१०), गीता (८), चंदा (५) व बेटे २ वर्षीय सन्नी के रूप में हुई है। परिवार का एक सदस्य झोपड़ी में नहीं था वह बच गया है।

पंजाब पुलिस गई कुमार विश्वास के घर !

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास ने बुधवार को अपने घर के बाहर पंजाब पुलिस के जवानों की तस्वीरें ट्वीट कीं। वीडियो से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में विश्वास के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज होने के बाद पंजाब पुलिस उनके घर गई थी। विश्वास ने एक ट्वीट में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को चेतावनी दी कि आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री उन्हें धोखा देंगे। हालांकि उन्होंने ट्वीट में केजरीवाल का नाम नहीं लिया। कुमार विश्वास ने ट्वीट करते हुए लिखा, सुबह–सुबह पंजाब पुलिस द्वार पर पधारी है। एक समय, मेरे द्वारा ही पार्टी में शामिल कराए गए भगवंत मान को को आगाह कर रहा हूं कि तुम दिल्ली में बैठे जिस आदमी को पंजाब के लोगों की दी हुई ताकत से खेलने दे रहे हो वो एक दिन तुम्हें व पंजाब को भी धोखा देगा। देश मेरी चेतावनी याद रखे। अपने इस ट्वीट के साथ विश्वास ने कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। वहीं, कुमार विश्वास के ट्वीट के बाद आप नेता नरेश बाल्यान ने उन पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि वह डरे हुए क्यों हैं? उन्होंने ट्वीट किया, चुनाव से पहले आपने जो कहा था, उसका पुलिस सिर्फ सबूत मांग रही है। उन्हें सबूत दीजिए और मामले को खत्म कर दीजिए।

आठ साल की बड़ी-बड़ी बातों का परिणाम, देश में बचा है 8 दिन का ही कोयला भंडारः राहुल गांधी

नई दिल्ली । देश में सिर्फ आठ दिन का कोयला भंडार बचे होने के खबर को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार को घेरते हुए बुधवार को कहा कि उसे नफरत फैलाने की बजाय देश के लोगों को बराबर रोशनी देने की व्यवस्था करनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि, महंगाई के दौर में लोगों को बिजली नहीं मिलेगी तो रोजगार का बड़ा अवसर उपलब्ध कराने वाले छोटे उद्योग बंद हो जाएंगे और युवाओं के समक्ष रोजगार का बड़ संकट पैदा हो जाएगा, इसलिए नफरत और घृणा की बजाय देश के लोगों को सहूलियत देने पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने ट्वीट कर कहा, आठ साल की बड़–बड़ बातों का परिणाम देखिए कि देश के पास केवल आठ दिन का कोयला भंडार शेष है। मोदी जी, महंगाई का दौर चल रहा है। बिजली कटौती से छोटे उद्योग धराशायी हो जाएंगे। इन छोटे उद्योगों के खत्म होने से लोगों के समक्ष नौकरियों का और बड़ संकट पैदा हो जाएगा। नफरत के बुलडोजर बंद करो और बिजली संयंत्रों को चालू कर दो।

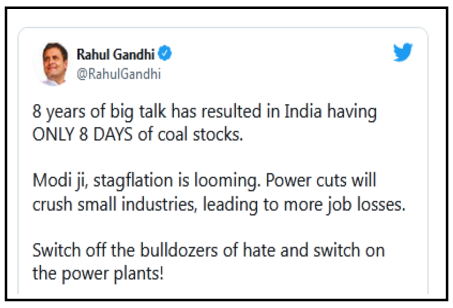

भगवानपुर टोल प्लाजा पर बवाल

विशेष संवाददाता

देहरादून। रुड़की के गांव टांडा जलालपुर में हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा पर किए गए पथराव की घटना को लेकर उपजा विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि पुलिस प्रशासन के स्तर पर इस मामले में कार्यवाही गतिशील है अब तक 13 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है लेकिन हिंदू संगठनों में इसे लेकर भारी आक्रोश है। आज इन संगठनों के नेताओं द्वारा भगवानपुर टोल प्लाजा पर क्षेत्रीय विधायक ममता राकेश का पुतला फूंक कर तथा हनुमान चालीसा का पाठ कर विरोध जताया गया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पुलिस इस घटना के सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

इन हिंदू संगठनों के समर्थन में आज रुड़की पहुंचे संत दिनेशानंद ने कहा कि जो अराजक तत्व हिंदुओं की आस्था पर चोट कर रहे हैं उन्हें किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व इन हिंदू संगठनों द्वारा तहसील परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ कर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई थी। पहले यह हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता तहसील पहुंचे जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने भगवानपुर टोल प्लाजा पर ममता राकेश का पुतला दहन किया।

❑हिंदू संगठनों ने ममता का पुतला फूंका
❑आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

इस घटना को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा चौकसी बरती जा रही है। पुलिस के साथ हुई समझौता वार्ता और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन देने के बाद यह मामला शांत हो सका। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पुलिस द्वारा की जा रही छानबीन में यह साफ हो चुका है कि यह घटना एक सुनियोजित षड्यंत्र है। जांच में पुलिस को घरों की छतों पर मिले ईट पत्थरों से यही लगता है कि यह पूर्व नियोजित था। पुलिस अब इस घटना की कड़ी को जोड़ने में जुटी है। उधर मुख्यमंत्री धामी भी कह चुके हैं कि कानून अपना काम करेगा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देश में कई राज्यों में एक साथ सामने आई एक जैसी घटनाओं के सामने आने से इस बात की भी संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस हमले की तैयारी पहले ही कर ली गई थी। पुलिस इस मामले की तह तक जाकर यह पता लगाने में जुटी है कि इसका मास्टरमाइंड कौन है।

आतंक का पर्याय बना आदमखोर गुलदार शिकारी की गोली से ढेर

हमारे संवाददाता

टिहरी। घनसाली भिलंगना ब्लाक के अखोड़ी गांव में 16 अप्रैल को शादी से लौट रहे एक सात वर्षीय बालक को अपना शिकार बनाने वाले आदमखोर गुलदार को शिकारी द्वारा मंगलवार को ढेर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार बीते रोज टिहरी जनपद के घनसाली भिलंगना ब्लाक के अखोड़ी गांव में शिकारी ने इस आदमखोर गुलदार को ढेर कर दिया गया है। बताया जा रहा हैं कि बीती 16 अप्रैल को आदमखोर गुलदार ने इस गांव में एक सात वर्षीय बालक को अपना शिकार बना लिया गया था। भिलंगना ब्लाक के अखोड़ी गांव में 16 अप्रैल की देर शाम पड़ोस की शादी से घर लौट रहे बच्चे पर गुलदार ने हमला कर दिया था। इसके बाद बच्चे की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि भिलंगना ब्लाक के ग्राम पंचायत अखोड़ी में शाम करीब 6.30 बजे सात वर्षीय नवीन अपनी मां किरन रावत के साथ पड़ोस की बरात में शामिल होने गया था। शाम को सात बजे के करीब जब बरात चली गयी तो सब लोग अपने अपने घरों को जाने लगे। इस दौरान नवीन की मां ने उसे घर जाने के लिए इधर उधर ढूंढा तो बालक कहीं नजर नहीं आया। उन्होने सोचा कि शायद नवीन अपने घर चला गया होगा, लेकिन जब परिजन घर पहुंचे तो नवीन का पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बाद नवीन का शव गांव से करीब 100 मीटर दूर छानी के पीछे मिला। ग्रामीणों ने रात को ही वन विभाग और पुलिस इसकी जानकारी दी। रात्रि को मौके पर पहुंचे प्रशासन की टीम ने शव को कब्जे में लिया और रविवार सुबह शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम कर दिया था।

मुख्यमंत्री ने पेयजल विभाग की समीक्षा बैठक कर दिये अधिकारियों को निर्देश

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में पेयजल विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल स्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में ठोस कार्य योजना बनाई जाय। रेन वाटर हार्वेस्टिंग की दिशा में कार्य किये जाय। इसे वर्क कल्चर में लाना जरूरी है। जल संचय की दिशा में सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। इसमें जन सहयोग भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिस भी विभाग द्वारा वृक्षारोपण करवाया जाता है, उन वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्द्धन की पूरी जिम्मेदारी भी संबधित विभागों की होगी। उन्होंने कहा कि नलकूप एवं हैण्डपम्प जिस भी विभाग या संस्था द्वारा लगाये जा रहे हैं, उनके मेंटिनेंस के लिए उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जल जीवन मिशन के कार्यों में और तेजी लाई जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि जल जीवन मिशन के तहत जिन घरों में नल लग चुका है, उनमें शुद्ध गुणवत्ता युक्त पेयजल उपलब्ध हो। हर घर नल, हर घर जल पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जाय। पेयजल की उपलब्धता के लिए जो व्यावहारिक दिक्कते आ रही हैं, उनका शीघ्रता से समाधान किया जाए। ग्रीष्मकाल में प्रदेश के किसी भी जनपद में पेयजल की कमी न हो, इसके लिए उपलब्ध साधनों के साथ ही शीघ्र ही प्रत्येक जनपद को दो-दो वाटर टेंकर उपलब्ध कराये जाएं। गर्मियों में पेयजल समस्या का समाधान एक बड़ी चुनौती है। पेयजल, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सभी की प्राथमिकताओं में हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत जलापूर्ति के लिए सुनियोजित व्यवस्था की जाय। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि यात्रा मार्गों पर सुलभ शौचालयों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता रहे।

सचिव पेयजल नितेश कुमार झा ने जानकारी दी कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तराखण्ड में तेजी से कार्य हो रहा है। जल जीवन मिशन के तहत कार्य प्रगति में उत्तराखण्ड देश में छठवें स्थान पर है। जल जीवन मिशन के तहत स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों को शत प्रतिशत कवर कर लिया गया है। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, अपर सचिव नितिन भदौरिया, डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, उदयराज एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।